कृषि नवाचार
ISSN: 3048-6092
https://www.krishinavachar.in
खण्ड 02 भाग 10 जनवरी, 2026

शहरी बागवानी और सामुदायिक उद्यान: स्थानीय खाद्य सुरक्षा के प्रभावी उपकरण

अमित कुमार [1] और एस.एल. पाल [2*]
[1]सहायक प्राध्यापक, कृषि विज्ञान विभाग, द्रौंण कॉलेज ऑफ़ एजुकेशन एंड टेक्नोलॉजी, रुद्रपुर, उधमसिंह नगर, उत्तरखण्ड-263153
[2]उद्यान विज्ञान विभाग, आर.एस.एम. महाविद्यालय, धामपुर, बिजनौर-246761(उ०प्र०)
*E-mail: slpalrsm@gmail.com

तेजी से बढ़ती शहरीकरण की प्रक्रिया ने मानव जीवन को सुविधाजनक तो बनाया है, लेकिन इसके साथ-साथ कई गंभीर समस्याएँ भी उत्पन्न हुई हैं, जिनमेंखाद्य असुरक्षा, पोषण की कमी, पर्यावरण प्रदूषण और हरित क्षेत्रों की कमी प्रमुख हैं। आज शहरों में रहने वाली बड़ी आबादी अपनी दैनिक खाद्य आवश्यकताओं के लिए दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों पर निर्भर है। ऐसे में शहरी बागवानी और सामुदायिक उद्यान स्थानीय स्तर पर खाद्य उत्पादन को बढ़ाकर स्थानीय खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के सशक्त माध्यम के रूप में उभर रहे हैं।

शहरी बागवानी: अवधारणा

शहरी बागवानी का तात्पर्य है, की शहरों एवं कस्बों में उपलब्ध सीमित स्थानों जैसे छतों, बालकनियों, आंगनों, खाली प्लॉट, दीवारों एवं सार्वजनिक स्थलों पर सब्ज़ियों, फलों, फूलों, मसालों एवं औषधीय पौधों का उत्पादन।

शहरी बागवानी के प्रमुख रूप

1. रूफटॉप गार्डन (छत बागवानी)
2. बालकनी गार्डन
3. वर्टिकल गार्डन (ऊर्ध्वाधर बागवानी)
4. किचन गार्डन
5. कंटेनर गार्डनिंग
6. हाइड्रोपोनिक्स एवं एक्वापोनिक्स

सामुदायिक उद्यान: अर्थ और स्वरूप

सामुदायिक उद्यान वे बाग होते हैं जिन्हें किसी मोहल्ले, कॉलोनी, स्कूल, संस्थान या नगर निकाय के लोग मिलकर विकसित और प्रबंधित करते हैं। इन उद्यानों में उत्पादित फसलें समुदाय के सदस्यों में साझा की जाती हैं।

सामुदायिक उद्यान के प्रकार

1. आवासीय कॉलोनी उद्यान
2. स्कूल एवं कॉलेज गार्डन
3. धार्मिक/सामाजिक संस्थानों के उद्यान
4. नगर निगम द्वारा विकसित सार्वजनिक उद्यान

स्थानीय खाद्य सुरक्षा की अवधारणा

खाद्य सुरक्षा का अर्थ है - "सभी लोगों को हर समय पर्याप्त, सुरक्षित, पौष्टिक और सुलभ भोजन की उपलब्धता।" स्थानीय खाद्य सुरक्षा में भोजन का उत्पादन, वितरण और उपभोग स्थानीय स्तर परहोता है, जिससे बाहरी निर्भरता कम होती है।

शहरी बागवानी और सामुदायिक उद्यानों की भूमिका

1. ताज़ा और पौष्टिक भोजन की उपलब्धता

- रासायनिक अवशेष-मुक्त सब्ज़ियाँ और फल

कृषि नवाचार
ISSN: 3048-6092
https://www.krishinavachar.in
खण्ड 02 भाग 10 जनवरी, 2026

- विटामिन एवं खनिजों से भरपूर आहार
- बच्चों और बुज़ुर्गों के पोषण स्तर में सुधार

2. खाद्य लागत में कमी

- सब्ज़ियों पर होने वाला घरेलू खर्च कम
- निम्न आय वर्ग के लिए सस्ता भोजन

3. आपातकालीन परिस्थितियों में सहायक

- कोविड-19 जैसे संकटों में आत्मनिर्भरता
- आपूर्ति श्रृंखला बाधित होने पर स्थानीय समाधान

4. पर्यावरण संरक्षण

- शहरी ताप द्वीप प्रभाव में कमी
- कार्बन फुटप्रिंट घटाने में सहायक
- वर्षा जल संचयन एवं जैविक कचरे का पुनः उपयोग

5. सामाजिक एकता और सामुदायिक सहभागिता

- सामूहिक श्रम और सहभागिता
- सामाजिक संबंधों में मजबूती
- मानसिक स्वास्थ्य एवं तनाव में कमी

6. रोजगार एवं आय के अवसर

- अर्बन फार्मिंग स्टार्ट-अप
- नर्सरी, वर्मी-कम्पोस्ट, जैव-उत्पाद बिक्री
- महिलाओं एवं युवाओं के लिए स्वरोज़गार

शहरी बागवानी में उगाई जाने वाली प्रमुख फसलें

सब्ज़ियाँ: टमाटर, मिर्च, बैंगन, पालक, मेथी, धनिया, लौकी, कद्दू, गाजर, मूली।

फल: नींबू, पपीता, स्ट्रॉबेरी, अमरूद (ड्वार्फ किस्में)।

मसाले एवं औषधीय पौधे : तुलसी, पुदीना, एलोवेरा, अदरक, हल्दी।

भारत में शहरी बागवानी की संभावनाएँ

भारत में तेजी से बढ़ते शहरों जैसे दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद, लखनऊ आदि में:-

1. छत बागवानी को सरकारी प्रोत्साहन

2. स्मार्ट सिटी मिशन में अर्बन ग्रीन स्पेस

3. स्कूल गार्डन आधारित पोषण कार्यक्रम

सरकारी एवं संस्थागत पहल

- राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन
- स्वच्छ भारत मिशन (जैव कचरा प्रबंधन)
- ICAR एवं कृषि विश्वविद्यालयों द्वारा प्रशिक्षण

नगर निगमों द्वारा रूफटॉप गार्डन सब्सिडी।

चुनौतियाँ एवं समाधान

चुनौतियाँ

- भूमि एवं स्थान की कमी
- जल उपलब्धता
- तकनीकी ज्ञान का अभाव
- प्रारंभिक लागत

समाधान और भविष्य की दिशा

- छत बागवानी नीति का विस्तार
- शहरी कृषि प्रशिक्षण केंद्र
- स्कूल पाठ्यक्रम में शहरी बागवानी
- डिजिटल प्लेटफॉर्म और मोबाइल ऐप आधारित मार्गदर्शन

निष्कर्ष

शहरी बागवानी और सामुदायिक उद्यान न केवल स्थानीय खाद्य सुरक्षा को सुदृढ़ करते हैं , बल्कि वे पर्यावरण संरक्षण , सामाजिक समरसता , पोषण सुधार और आर्थिक सशक्तिकरण के भी प्रभावी साधन हैं। बदलते शहरी परिदृश्य में ये पहलें शहरों को हरित, आत्मनिर्भर और टिकाऊ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं।

"जहाँ हर छत एक बाग बनेवहीं सच्ची खाद्य सुरक्षा संभव है।"

● ● ●